उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

निदेशक महोदया की कलम से

टी.एफ.आर.आई. परिवार की ओर से बधाई,

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान समाचार पत्र के पांचवें और छठे अंक (सितंबर–दिसंबर, 2022) जिसमें कि प्रदर्शन, महत्वपूर्ण अनुसंधान गतिविधियों, आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने और इस अवधि के दौरान किए गए प्रकाशनों आदि को साझा करने में मुझे गर्व हो रहा है।

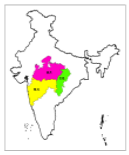

मुझे उम्मीद है कि यह समाचार पत्र वानिकी अनुसंधान से जुड़े शोधकर्ताओं, विभिन्न हितधारकों और नीति निर्माताओं के लिए अत्यंत सहायक होगा।

नीलू सिंह
निदेशक–प्रभारी, टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

अंतर्वस्तु

- प्रमुख आयोजन 1
- वैज्ञानिक कोना 3
- गणमान्य व्यक्तियों का दौरा 7
- अनावरण भ्रमण 8
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण 9
- AKAM के तहत आयोजित कार्यक्रम 11
- विभिन्न आयोजित कार्यक्रम 13
- पुरस्कार 14
- नए प्रकाशन 17
- टी.एफ.आर.आई.,जबलपुर में बिक्री हेतु उपलब्ध पौधों की प्रजातियां 18

प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय कार्यशाला

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा 26 सितंबर, 2022 को जबलपुर स्थित एमपीटी कलचुरी रेजीडेंसी, होटल में औषधीय पौधों की उपलब्धता, स्थिरता, प्रसंस्करण मुद्दे और बाजार लिंकेज पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस अवसर पर, टी.एफ.आर.आई. के दो प्रकाशन –1) औषधीय पादप क्षेत्र के विकास में आई.सी.एफ.आर.ई. का योगदान, और 2) गैर–इमारती वन उत्पादः अवसर और चुनौतियाँ जारी की गईं। पोर्टेबल "वान्य हाट" का उद्घाटन श्री अभय पाटिल, आई.एफ.एस. अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं (ए.आई.सी.आर.पी.) द्वारा और अन्य परियोजनाओं के तहत आई.सी.एफ.आर.ई. के संस्थानों द्वारा विकसित एन.टी.एफ.पी. आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पधारे अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ ही हर्बल उत्पादों की बिक्री के लिए एक ब्रांड EPPKO–'**एपको-एक पहल प्रकृति की ओर**' कार्यशाला के दौरान विमोचित किया गया, जिसे डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित संचार और विस्तार के सभी माध्यमों से प्रचारित किया जाएगा।

31वीं आरएजी बैठक

अनुसंधान सलाहकार समूह की 31वीं बैठक 12 अक्टूबर, 2022 को ट्रॉपिकल फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, जबलपुर में हाईब्रिड मोड मे आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आई.सी.एफ.आर.ई. फंडिंग के लिए नई शोध परियोजनाओं, परिवर्तन अनुरोध और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा का मूल्यांकन करना था। बैठक की शुरुआत डॉ. जी. राजेश्वर राव, ए.आर.एस., तत्कालीन निदेशक, टी.एफ.आर.आई., जबलपुर के स्वागत भाषण से हुई, संस्थान की श्रीमती नीलू सिंह, ग्रुप को–ऑर्डिनेटर (रिसर्च) ने नाबार्ड, राष्ट्रीय बांस मिशन, एन.टी.पी.सी,. कैम्पा–छत्तीसगढ़, कैम्पा मध्य प्रदेश, एस.एफ.डी.–महाराष्ट्र और यू.एस.ए.आई.डी. सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के तहत किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ. सुमित चक्रवर्ती, सहायक महानिदेशक, (अनुसंधान और योजना) ने अनुसंधान एवं विकास पर टी.एफ.आर.आई. के बारे में अपने विचार व्यक्त किए तथा इसी अनुपालन में टी.एफ.आर.आई. के वैज्ञानिकों द्वारा सात नई परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं।

डॉ. एस.के. ध्यानी, कंट्री कोऑर्डिनेटर आई.सी.आर.ए.एफ., नई दिल्ली, डॉ. उत्तम सुबुद्धि, अतिरिक्त पी.सी.सी.एफ. और सी.ई.ओ., राज्य बांस मिशन, भोपाल डॉ. श्रीनिवास रेड्डी, आई.एफ.एस., ए.पी.सी.सी.एफ., महाराष्ट्र, डॉ. एस रविचंद्रन, प्रोफेसर, एन.ए.ए.आर.एम., हैदराबाद, राजेश कल्लाजे, सी.सी.एफ., छत्तीसगढ, डॉ. सी. कुन्नीकानन, निदेशक, आई.एफ.जी.टी.बी., कोयंबटूर (तमिलनाडु), संजीव करपे, संस्थापक और उद्योगपति, कोनबैक (एम.एस.), डॉ. देशमुख, प्रोफेसर, पी.डी.के.वी., अकोला सहित बैठक में संभाग के प्रगतिशील किसान श्री राजेश रंगा, तथा संस्थान के वैज्ञानिकगण आदि उपस्थित रहे।

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

एफ. आर. सी. एस. डी., छिंदवाड़ा में नए वन विज्ञान केंद्र की स्थापना

कैम्पा विस्तार निधि के तहत छिंदवाड़ा में नवीन वन विज्ञान केन्द्र की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया गया।

नए वन विज्ञान केंद्र के तहत मॉडल नर्सरी के लिए पॉली हाउस का निर्माण।

भारत में वनों के बाहर पेड कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम

यू.एस.ए.आई.डी. टॉफी परियोजना के तहत जारी गतिविधियां

आई.सी.आर.ए.एफ. – य.एस.ए.आई.डी. द्वारा वित्त पोषित भारत में वन के बाहर पेड़ प्रोग्राम के अंतर्गत एक राष्ट्रीय समारोह का शुभारंभ 8 सितंबर, 2022 को गंगा हॉल, इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में किया गया। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान को इस महत्वपूर्ण संघ का हिस्सा बनने के लिए सम्मानित किया गया है। डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ और इस परियोजना की सह–परियोजना अन्वेषक. ने इसमें भाग लिया एवं आयोजित चर्चा के दौरान टी. ओ. एफ. आई. परियोजना के तहत टी.एफ.आर.आई. की भूमिका और गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

सुश्री लीना नंदन, सचिव, वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा गांधी पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय लॉन्च के दौरान सदन को संबोधित करते हुए।

टी.एफ.आर.आई. ने 18 अक्टूबर, 2022 को गुवाहाटी, असम में आयोजित भारत के जंगलों के बाहर पेड़ों के असम राज्य लॉन्च (**टी.आ.एफ.आई.**) कार्यक्रम में भाग लिया। सी.आई.एफ.ओ.आर.–आई.सी.आर.ए.एफ. के साथ असम राज्य में कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए टी.एफ.आर.आई. सह–नेतृत्वकर्ता है। डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ और श्री राठौड़ दिग्विजयसिंह उमेद सिंह, वैज्ञानिक–बी, टी.एफ.आर.आई. ने टी.ओ.एफ.आई. तकनीकी कार्यशाला का नेतृत्व किया। टी.ओ.एफ.आई. की पहचान और मानचित्रण के विस्तार के लिए अन्य सहायक भागीदारों के साथ पर्यावरण नीति और निवेश परिदृश्य के महत्व को भी साझा किया।

टी. एफ. आर. आई. ने अन्य टी.ओ.एफ.आई. कंसोर्टियम भागीदारों के साथ टी.ओ.एफ.आई. तकनीकी कार्यशाला का नेतृत्व करते हुए।

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

VOL-5&6 September –December 2022

वैज्ञानिक कोना

एन0बी0एम0 की बीटीएसजी–आईसीएफआरई योजना के तहत मध्य प्रदेश के जबलपुर, कटनी और दमोह जिलों में किसानों के खेत तथा कृषि विज्ञान केंद्र, सतना जिले में 10 हेक्टेयर क्षेत्र में डेमो बांस वृक्षारोपण की स्थापना की गई।

कोनिकला गाँव, जबलपुर, मध्य प्रदेश में प्रदर्शन के लिए बाँस का पौधारोपण

मध्य प्रदेश के दमोह में किसानों के खेत में वृक्षारोपण का एक दृश्य।

डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ

स्टीरियोस्पर्मम सुएवोलेंस (रॉक्सब) डीसी. का एक्स–सीटू संरक्षण – दशमूल समूह की एक संकटग्रस्त प्रजाति

स्टीरियोस्पर्मम सुएवोलेंस (रोक्सब.) डीसी, दशमूलारिष्ट में प्रयुक्त दस पौधों की प्रजातियों में से एक हैं। मध्य प्रदेश में *एस. सुवेलेंस* की बहुत खंडित आबादी बताई गई है और यह प्राकृतिक क्षेत्रों से तेजी से घट रही है। मध्यप्रदेष में इसके 100 पेड़ों का सीमांकन, नर्सरी तकनीक का मानकीकरण और 10 परिग्रहणों के 110 पौधों के साथ किया गया है।

डॉ. हरी ओम सक्सेना, वैज्ञानिक–ई

बांस के प्रजाति परीक्षण की स्थापना

बांस ग्रामीण लोगों और ग्रामीण उद्योग की आजीविका में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह हरा सोना, किसी बच्चे के पालने से लेकर मानव अर्थी तक आबादी की विशाल जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ता और भरपूर मात्रा में उपलब्ध संसाधन है। आनुवांषिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग द्वारा चार अलग–अलग बांस प्रजातियों के कैंडिडेट प्लस क्लंप्स (सी.पी.सी.) बंबूसा बालकूआ, बंबूसा टुल्डा, बंबूसा वल्गेरिस और बंबूसा नूतन लगाए गए हैं। बांस पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत आर.बी.डी. प्रायोगिक डिजाइन में प्रत्येक प्रजाति के चार जीनोटाइप लगाए गए।

टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में बांस की चार विभिन्न प्रजातियों का प्रजाति परीक्षण

डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक–जी

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

महुआ के आनुवंशिक सुधार के लिए वनस्पति गुणन उद्यान की स्थापना

महुआ पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत भावी वृक्ष सुधार गतिविधियों एवं इसके विकास के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर परिसर में सितंबर से अक्टूबर, 2022 के दौरान *मधुका लोंगिफोलिया* (महुआ) के बेहतर वनस्पति गुणन उद्यान की स्थापना की गई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के 34 सी.पी.टी.एस. के क्लोनल प्लांट, क्लेफ्ट ग्राफ्टिंग के जरिए तैयार कर रोपित किए गए।

संतान परीक्षण में *मेलाइना आर्बोरिया* का विकास प्रदर्शन

टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में 28 सहोदर परिवारों के अंकुरों के साथ *मेलाइना आर्बोरिया* (खमेर) का संतति परीक्षण स्थापित किया गया है। ग्रोथ पैरामीटर्स पर मॉर्फोमेट्रिक डेटा अर्थात छह महीने के अंतराल पर पेड़ की ऊंचाई (सेमी में), आधार पर कॉलर परिधि (सेमी में), शाखाओं की संख्या और जी.बी.एच. (मीटर में) दर्ज की गई तथा एक वर्ष के बाद आई.एफ.जी.बी.ए.–8 क्लोन में अधिकतम ऊंचाई 4.56 मीटर और अधिकतम कॉलर परिधि 26.5 सेमी, आई.एफ.जी.बी.ए.–10 क्लोन में शाखाओं की अधिकतम संख्या (19) और आई.एफ.जी.बी.टी.–6 क्लोन में अधिकतम जी.बी.एच. 18 सेमी देखी गई।

वन आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण

वन आनुवंशिकी संसाधनों की प्राथमिकता वाली प्रजातियों के एक्स–सीटू संरक्षण के लिए आनुवांषिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा रूपात्मक लक्षण वर्णन और फील्ड जीन बैंक की स्थापना के लिए जर्मप्लाज्म का संग्रह जारी है। माह अक्टूबर एवं नवम्बर 2022 के दौरान छत्तीसगढ़ की 6 एवं मध्य प्रदेश की 2 जनसंख्या के चयनित बीज स्त्रोतों से ***लिटसी ग्लूटिनोसा*** (मैदा) के फल, इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की 8 एवं मध्य प्रदेश की 3 जनसंख्या से ***ब्रिडेलिया रेटुसा*** (कसाई) की पत्ती के नमूने, आणविक लक्षण वर्णन के लिए तथा छत्तीसगढ़ की 2 आबादी से ***डिलेनिया पेंटाग्याना*** का संग्रह किया गया। इन प्रजातियों के फलों को विकसित नर्सरी तकनीकों के लिए संसाधित किया गया है।

ब्रिडेलिया रेटुसा के फलों का संग्रह

लिस्टिया ग्लूटिनोसा के फलों का संग्रह

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों की जल आवश्यकता का आकलन

रसारोहण अभियांत्रिकी द्वारा विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों की जल आवश्यकता और अवमृदा नमी पर इसके प्रभाव का आकलन किया जाता है। राष्ट्रीय प्राधिकरण कैम्पा द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत "विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों की जल आवश्यकताओं का आकलन और नमी पर इसका प्रभाव," जोकि चार वन वृक्ष प्रजातियों, – सागौन, साल, धवड़ा, और साजा पर किया गया, इसी अनुपालन में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान और मवई (मध्य प्रदेश) एवं उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर परिसर में इसे स्थापित किया गया है। यह अध्ययन वन विभाग को वृक्षों की पानी की आवश्यकताओं के आधार पर उपयुक्त वृक्षारोपण प्रजातियों का चयन करने में मदद करेगा।

टेक्टोना ग्रैंडिस में रसारोहण अभियांत्रिकी

श्री धीरज गुप्ता, वैज्ञानिक–डी

भारतीय वनों पर जलवायु प्रेरित प्रभाव

दीर्घकालिक निगरानी के माध्यम से भारतीय वनों पर जलवायु प्रेरित प्रभावों का अध्ययन करने के लिए मध्य प्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में 10 हेक्टेयर का एक स्थायी भूखंड स्थापित किया गया है।

स्थायी भूखण्ड में वृक्षों का चिन्हांकन, खरपतवार प्रजातियों की गणना एवं 10 हे. भूखण्ड के अन्दर स्थापना

डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक–एफ

जंगल की आग का प्रबंधन

"फॉरेस्ट फायर रिसर्च एंड नॉलेज मैनेजमेंट" शीर्षक वाली कैम्पा–वित्तपोषित परियोजना के तहत, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में जंगलों के 30 जले हुए और 30 बिना जले हुए स्थलों का सर्वेक्षण किया गया, ताकि इसके बायोमास, कार्बन (5 पूलों में) और जैव विविधता के नुकसान का अनुमान लगाने के लिए नमूने एकत्र किए जा सकें एवं जंगल की आग के कारणो का पता चल सके।

श्री धीरज गुप्ता, वैज्ञानिक–डी

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

वन आनुवंशिक संसाधनों पर सर्वेक्षण

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में व्यापक सर्वेक्षण किया और भू–आकृतिक डेटा एकत्र किया और वन आनुवंशिक संसाधन (एफ.जी.आर.) परियोजना के तहत मध्य भारत में वितरित 30 प्रजातियों के लिए मानचित्र तैयार किया। फूलों की उपज के मानदंड के आधार पर ***एनोजिसस लेटीफोलिया*** के 400 उन्नत पेड़ों के लिये छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 20 विभिन्न स्थानों का चयन किया गया है।

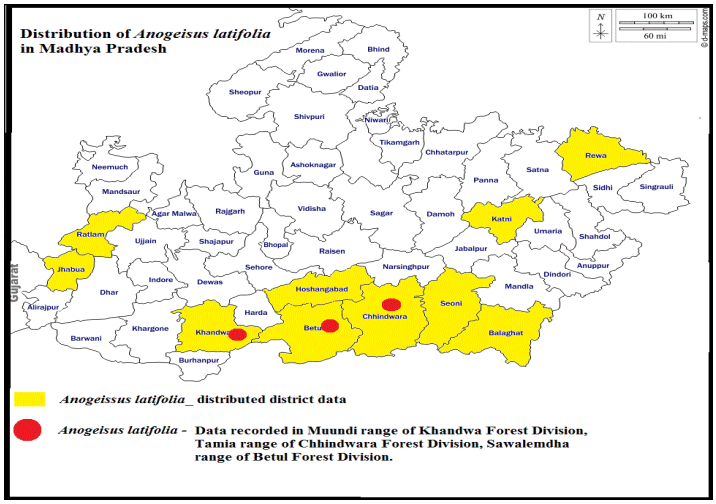

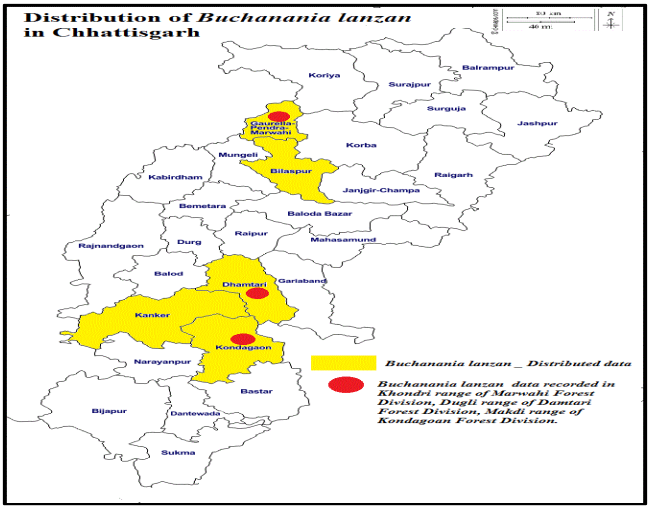

एनोजिसस लैटिफोलिया का वितरण और मानचित्रण

डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक–जी, डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ और श्री मनीष कुमार विजय, वैज्ञानिक–बी

अवक्रमित भूमि का पुनर्वासः एक आदर्श वृक्षारोपण कार्यक्रम

वनस्पति आवरण को बढ़ाने और भविष्य मे होने वाले क्षय को रोकने के लिए 22.68 हेक्टेयर गड्डों में एक मॉडल वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया, इसके लिये मुरैना के चंबल बीहड़ों में सात प्रजातियों के वृक्षारोपण हेतु दो स्थलों का चयन किया गया। प्रथम स्थल राज्य वन विभाग की भूमि में और दूसरा स्थल राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषिविष्वविद्यालय (आरवीएसकेवीवी), ग्वालियर स्थित भूमि, जिसमें अकेषिया केटेचू कत्था (खैर), *अकेषिया टॉर्टिलिस* (टॉर्टिलिस), *एजाडिरिक्टा इंडिका* (नीम), *एनोजिसस पेंडुला* (करधई) और *कोमिफोरा वाइटी* (गुग्गल), *एगल मार्मेलोस* (बेल) और *एम्ब्लिका ऑफिसिनैलिस* (आंवला) के पौधे रोपित किये गये।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय (आर.वी.एस.के.वी.वी.), ग्वालियर द्वारा मुरैना के निकट एसा में प्रदान की गई भूमि में वृक्षारोपण स्थल (चंबल बीहड़) का चयन

मुरैना वन प्रमंडल के बीट यूसेथ में चयनित पौधरोपण स्थल (चंबल बीहड़ों) का एरियल फोटोग्राफ
भू–निर्देशांकः 26°51'38.33"N;78°21'09.29"E

डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक–एफ

गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

माननीय महानिदेशक, आई.सी.एफ.आर.ई. ने 25–09–2022 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर का दौरा किया

हितधारकों का अनावरित दौरा

69 आई.एफ.एस. परिवीक्षार्थी, 2021–23 बैच के एक समूह ने टी.एफ.आर.आई. का दौरा किया।

वन रेंजर संस्थान, बालाघाट तेलंगाना अकादमी दुलापल्ली, हैदराबाद चंद्रपुर (महाराष्ट्र) की चंद्रपुर वन अकादमी और गुजरात वन अकादमी के वन रक्षक प्रशिक्षुक अधिकारियों ने टी.एफ.आर.आई. का दौरा किया।

विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों का अनावरण भ्रमण

एफ.आर.सी.एस.डी., छिंदवाड़ा ने 02 अक्टूबर 2022 को स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों के लिए " बर्ड वाचिंग अभियान " का प्रायोजन किया।

समझौता ज्ञापन

टी.एफ.आर.आई., जबलपुर ने 24 नवंबर 2022 को सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज जबलपुर (म.प्र.) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

रेडियो वार्ता

- डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक एफ और वन विस्तार प्रभाग प्रमुख, ने 21 अक्टूबर, 2022 को आकाशवाणी, जबलपुर से "**बांस आधारित कृषि वानिकी पद्धति द्वारा आय उत्पादन**" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- मनीष कुमार विजय वैज्ञानिक बी ने 17 नवंबर 2022 को आकाशवाणी, जबलपुर (मप्र) से "**वृक्षा रोपण और वन विकास के लिए बीज भण्डारण तकनीक**" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

" गैर–काष्ठ वन उपज और आजीविका के अवसर " पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

गैर–काष्ठ वन उपज और आजीविका के अवसर पर बिहार, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, सोलन, बांदा के एस.ए.यू., के.वी.के., एफ.पी.ओ. और एन.जी.ओ. जैसे विभिन्न संगठनों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों और अनुसंधान अध्ययेतायों के लिए उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा 21 से 23 सितंबर, 2022 तक मैनेज, हैदराबाद के साथ तीन दिवसीय सहयोगी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

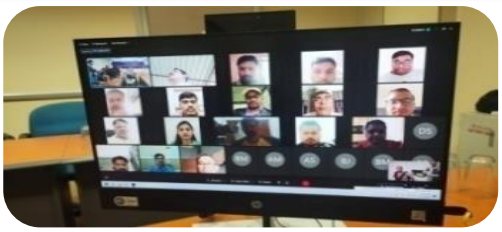

आय सृजन के लिए कृषि वानिकी प्रणाली के माध्यम से औषधीय पौधों के संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ ने गैर–काष्ठ वन उपज और आजीविका के अवसरों पर मैनेज– टी.एफ.आर. आई. सहयोगी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आय सृजन के लिए कृषिवानिकी प्रणाली के माध्यम से औषधीय पौधों के संरक्षण पर व्याख्यान दिया।

एफ.आर.सी.एस.डी., छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

एफ.आर.सी.एस.डी., छिंदवाड़ा ने 28–12–2022 को एक "एस.एफ.डी., वी. डी.वी.के., जे.एफ.एम.सी. तथा वन समिति सदस्यों के लिए सतत कटाई के तरीकों की " अच्छी क्षेत्रीय संग्रह पद्धति " पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

एफ.आर.सी.एस.डी., छिंदवाड़ा द्वारा एस0एफ0डी0, सिवनी के लिए 29–12–2022 को महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की नर्सरी तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

"कृषि वानिकी, बीज प्रौद्योगिकी और जैव उर्वरक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कैम्पा विस्तार योजना के तहत उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने 14 सितंबर, 2022 को जगदलपुर संभाग के फील्ड पदाधिकारियों के लिए वन विज्ञान केंद्र, जगदलपुर (छ.ग.) में "कृषि वानिकी, बीज प्रौद्योगिकी और जैव उर्वरक" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बांस हस्तशिल्प पर आदिवासी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन (30 अगस्त–02 सितम्बर)

डॉ. ननीता बेरी, वैज्ञानिक–एफ

मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भागीदारी

- श्री एम. राजकुमार, वैज्ञानिक –डी, श्री धीरज गुप्ता, वैज्ञानिक –डी, श्री अजिन शेखर, वैज्ञानिक –बी और श्री के.एस. सेंगर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने आई.सी.एफ.आर.ई., देहरादून में "एडी कोवैरियंस टावर्स द्वारा कार्बन फ्लक्स मापन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. एस.एन. मिश्रा, वैज्ञानिक –सी, डॉ. जंगम दीपिका, वैज्ञानिक –बी और डॉ. दर्शन के., वैज्ञानिक –बी ने आई.सी.एफ.आर.ई. के वैज्ञानिकों के लिए सांख्यिकी विभाग द्वारा आई.सी.एफ.आर.ई. देहरादून में आयोजित 14–18 नवंबर, 2022 के दौरान "वानिकी अनुसंधान में सांख्यिकीय तरीके" पर प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. जंगम दीपिका, वैज्ञानिक –बी और श्री मनीष के विजय, वैज्ञानिक –बी ने आई.एफ.जी.टी.बी., कोयम्बटूर द्वारा आयोजित 30 सितंबर, 2022 को आई.सी.एफ.आर.ई. वैज्ञानिकों के लिए "बौद्धिक गुणों का दोहनः नवाचार से आर्थिक विकास तक" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

आजादी का अमृत महोत्सव (ए.के.ए.एम.) के तहत आयोजित कार्यक्रम

3 नवंबर 2022 को महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यक्रम संस्थान में प्रायोजित किया गया।

30 नवंबर, 2022 को एफ. आर.सी.–एस.डी. छिंदवाड़ा में स्वच्छता पर गतिविधियां आयोजित की गईं ।

सिल्वीकल्चर फॉरेस्ट मैनेजमेंट एंड एग्रोफोरेस्ट्री डिवीजन द्वारा 12 और 16 दिसंबर 2022 को प्रायोगिक भूखंड और किसानों के खेत में प्रदर्शन सह प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया ।

हर्बल डिवीजन, श्री राम कॉलेज एंड टेक्नोलॉजी जबलपुर तथा गुरु रामदास खालसा कॉलेज के फार्मेसी विषय के 60 विद्यार्थियों हेतु दिनॉक 13 व 16 दिसंबर, 2022 को "गैर काष्ठ वन उत्पाद प्रसंस्करण" पर लाइव प्रदर्शन संस्थान द्वारा आयोजित किया गया।

एफ.आर.सी. – एस.डी., छिंदवाड़ा द्वारा दिनॉक 03, 09 तथा 10 नवंबर 2022 को "जैव विविधता संरक्षण " और "औषधीय पौधों" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव (ए.के.ए.एम.) के दौरान एफ.ई.सी.सी. प्रभाग द्वारा आयोजित गतिविधियॉं

दिनॉक 09 दिसंबर, 2022 को "लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (LiFE) मूवमेंट की वैश्विक पहल पर जागरूकता" विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया ।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 नवंबर, 2022 को महिलाओं और परियोजना अध्येयतायों (महिला वर्ग)के बीच पर्यावरण सुधार के लिए "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

05 दिसंबर, 2022 को "**स्वस्थ मिट्टी**: स्वस्थ भोजन और बेहतर पर्यावरण की नींव" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

05 दिसंबर, 2022 को "चंबल स्थित बीहड़ों में ग्रामीण आजीविका से जुड़े प्राकृतिक संसाधनों की मान्यता पर जागरूकता पैदा करने " विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

विभिन्न आयोजित कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह

श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर देश की ताकत, एकता बनाए रखने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया।

फिट इंडिया रन अभियान का आयोजन

टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में दिनांक 14–09–2022 को हिन्दी दिवस मनाया गया।

21 अक्टूबर, 2022 को टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में "फिट इंडिया रन" अभियान की तीसरी किस्त मनाई गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

संस्थान में 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 (सप्ताहांत) में दि0 31 अक्टूबर 2022 को सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू किया तथा इसके समापन दिवस पर श्री अजय कुमार, एस.पी., सी.बी.आई., जबलपुर ने **भ्रष्टाचार मुक्त भारत एक विकसित राष्ट** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संविधान दिवस समारोह का आयोजन

26 नवंबर 2022 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में संविधान दिवस मनाया गया ।

रानी दुर्गावती समाधि, नरई ग्राम, जबलपुर में दि0 15 नवंबर, 2022 को 147 वीं बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

पुरस्कार

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. हरिओम सक्सेना को दि0 03–04 सितंबर, 2022 को लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र (एम.एफ.पी.–पी.ए.आर.सी.) अंतर्गत एमपी स्टेट माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस (टीएंडडी) कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, भोपाल (म.प्र.) द्वारा आयोजित ''औषधीय पौधों के उपयोग के माध्यम से मानव स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में हर्बल योगों के दस्तावेजीकरण, सत्यापन और मानकीकरण विषय के तहत सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. मोहन सी. वैज्ञानिक–बी को कृषि और खाद्य ई न्यूजलैटर, खंड 04 – अंक 09 में प्रकाशित 'बेर' (*जिजिफस मौरिटाना*) में ''मिलीबग संक्रमण की घटना और उनके प्रबंधन'' नामक लेख के लिए ''सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया। .

BEST ARTICLE AWARD

Date awarded : 20/10/2022

This is to certify that Mr./Ms./Mrs./Dr. Mohan C.

is awarded with Best Article Award for article id 38037 entitled Occurance of Mealybug Infestation in Ber (Zizyphus mauritiana L.) and their Management which got published in Volume 04 - Issue 09 in Agriculture & Food: e-Newsletter

Agriculture & Food e-Newsletter

ISSN: 2581 8317

Paritosh Halder
Technical Manager

Nityamanjari Mishra
Editor in Chief

डॉ. विशाखा कुंभारे, स्मृति शुक्ला और रेवंत वी. को एम.पी.एफ.–पी.ए.आर.सी. भोपाल द्वारा आयोजित ''सिक्योरिंग ह्यूमन हेल्थ : द यूज ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

25 नवंबर, 2022 को डॉ. हरिओम सक्सेना, वैज्ञानिक–ई, श्री गणेश पवार, व0 तक0 एवं सुश्री समीक्षा परिहार, जे.पी.एफ., एस.एफ.एम. और ए.एफ. प्रभाग को ''उच्च–प्रदर्शन थिन–लेयर क्रोमैटोग्राफी पद्धति द्वारा *डिलिनिया पेंटाग्याना* रॉक्सब के फलों, पत्तियों, जड़ और तने की छाल में बेटुलिनिक एसिड, β-सिटोस्टेरॉल और ल्यूपोल का एक साथ निर्धारण'' शीर्षक वाले सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए डॉ. पी.डी. सेठी राष्ट्रीय स्मारक के वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार – 2021 हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राठौड़ दिग्विजयसिंह उमेद सिंह, वैज्ञानिक–बी, को 20–23 दिसंबर , 2022 के दौरान आनंद, गुजरात में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन (IWC) में "उष्णकटिबंधीय वन क्षेत्र में लैंटाना कैमारा के स्थानीय अनुकूलन और बीज उत्पादन दर" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदाय किया गया।

मनीष कुमार विजय वैज्ञानिक–बी ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र (एन.ए.एस. सी), पूसा कैंपस, नई दिल्ली में आयोजित "प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज मैनेजमेंट " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' प्रदान किया गया।

श्री. अजिन शेखर, वैज्ञानिक–बी को सोसाइटी फॉर साइंस ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल एनवायरनमेंट (एस.एस.सी.ई.), नई दिल्ली द्वारा दिनांक 10.12.2022 को केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान (आई.सी. ए.आर.–सी.ए.एफ.आर.आई.), झांसी– उत्तर प्रदेश में अवक्रमित स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए आयोजित वानिकी, पर्यावरण और सतत विकास के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया।

हिंदी भाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए मान्यता

दिनांक 16–12–2022 को राय सौरभ कॉलोनी, जबलपुर में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC) की 11वीं द्विवार्षिक बैठक में उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर को वर्ष 2021 का तृतीय पुरस्कार प्रदाय किया गया।

शोकांजलि

1.7.1959- 4.1.2023

डॉ. आर.के. वर्मा उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में वन रोग प्रभाग में वैज्ञानिक "एफ", के रूप में कार्यरत थे, उनका जन्म 1.07.1959 ग्राम उमरिया, जिला बस्ती (यूपी) में हुआ था। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा और पी.एच.डी. गोरखपुर विश्वविद्यालय से पूर्ण की और वर्ष 1989 में एफ.आर.आई., देहरादून में पूल अधिकारी के रूप में शामिल हुए और तत्पष्चात् 11.04.1991 को टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में वैज्ञानिक के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने वन रोगविज्ञान, जैव उर्वरक और कवक के वर्गीकरण पर कई शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया, साथ ही वे कई अकादमिक सोसायटियों के सदस्य रहे एवं उन्हें इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा एफ.पी.एस.आई. से भी सम्मानित किया गया। इनके भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं में 249 शोध पत्र प्रकाशित हुये साथ ही विचार– संगोष्ठीयों एवं संगोष्ठी आदि की कार्यवाही में 10 पुस्तक–अध्याय और 12 अध्याय लिखे। उन्होंने मध्य भारत में पाये जाने वाली कवक की 6 नई पीढ़ी और 88 नई प्रजातियों को भी प्रकाशित किया है। उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हे के.एस. थिंड मेडल **"एसोसिएशन फॉर प्लांट टैक्सोनॉमी (एपीटी) माइकोलॉजी वर्ष 2010"** प्रदान किया गया। इस पदक को वर्ष 2007 में स्थापित किया गया है और कवक के वर्गीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले माइकोलॉजिस्ट को इससे सम्मानित किया जाता है। डॉ. आर.के. वर्मा जी का नाम मार्क्विस **हूज–हू इन साइंस एंड इंजीनियरिंग** के नौवे संस्करण वर्ष 2006–2007 में भी प्रकाषित किया गया था।

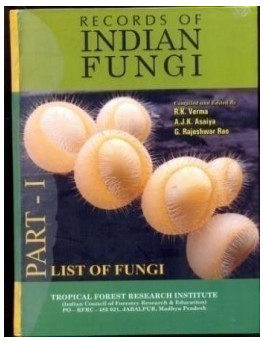

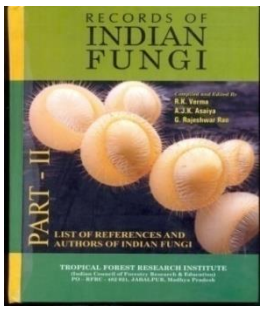

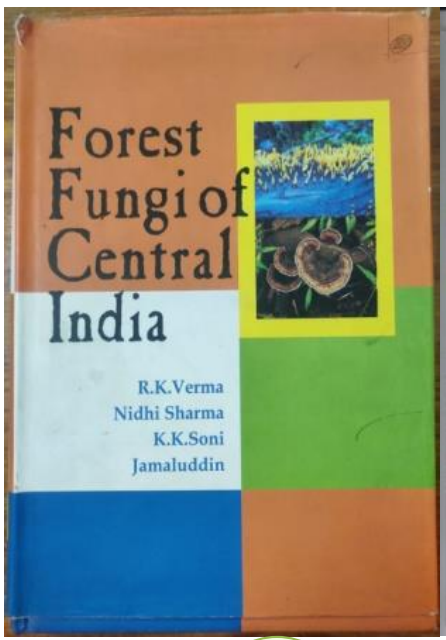

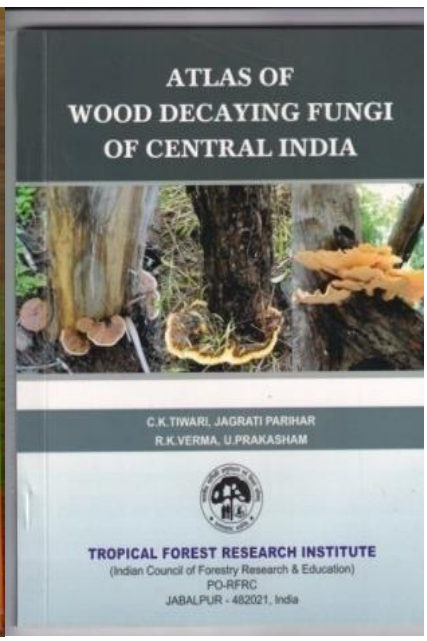

नए प्रकाशन

- बनर्जी, एस.के., बनर्जी, एस. और शुक्ला, पी.के.. (2022)। संयुक्त वन प्रबंधन के माध्यम से सतत विकास लैटरिटिक क्षेत्र में अवक्रमित मिट्टी की पर्यावरण–पुर्नस्थापना और उनकी कार्बन पृथक्करण क्षमता के विशेष संदर्भ में। उष्णकटिबंधीय वानिकी जर्नल, 38 (1 और 2): 60–77
- राव जी. राजेश्वर, शिरीन, एफ., कुमार, पी., मोहम्मद, एन. और मोहन, सी. (2022)। टेक्टोना ग्रैंडिस, वुड इज गुड, 3 (1): 95–98 के आनुवंशिक सुधार पर एक संक्षिप्त शोध प्रोफाइल
- सिंह, जे., अग्रवाल, आर., बश्याल, बी.एम., दर्शन, के., मीना, बी.आर., यादव, जे., आदित्य, एस. और हुसैन, जेड. (2022)। बायोकंट्रोल एजेंट चौटोमियम ग्लोबोसम के विभिन्न वितरण विधियों के लिए टमाटर के पौधों की शारीरिक और विकास प्रतिक्रियाएँ, समुदाय संघटन और सतत विकास जर्नल, 17(2): 420–428
- सक्सेना, एच.ओ., दास, ए. और परिहार, एस. (2022)। डिलनिया पेंटाग्याना रॉक्स्ब फाइटोकेमिस्ट्री और फार्माकोलॉजी पर एक समीक्षा। द जर्नल ऑफ फाइटोफार्माकोलॉजी, 11(4): 295–299।
- बेरी, एन., कुमार, पी., शुक्ला, ए. और बरकडे, ई. (2022)। पूर्व बुवाई उपचार वर्धक के आधार पर सैंटलम एल्बम के बीज अंकुरण व्यवहार में भिन्नता, द फार्मा इनोवेशन जर्नल, 11(11): 1461–1465।
- सिंह, जे., अग्रवाल, आर., बश्याल, बी.एम., दर्शन, के., परमार, पी., सहारन, एम.एस., हुसैन, जेड. और सोलंकी, ए.यू. (2021)। चौटोमियम ग्लोबोसम द्वारा प्रेरित प्रणालीगत प्रतिरोध के हार्मोन सिग्नलिंग नेटवर्क टमाटर ऑर्केस्ट्रेट का ट्रांसक्रिप्टोम रिप्रोग्रामिंग। प्लांट साइंस में फ्रंटियर्स, 12:721193।
- मोहन सी., सौम्या, पी., दुबे, एस. और चक्रवर्ती, जी. (2022)। वानस्पतिक कीटनाशक कीट प्रबंधन के लिए एक अभिनव और पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण। भारतीय जे ट्रॉप। जैव विविधता, 30 (1 और 2): 20–23।
- हर्षिता अग्रहरी, देवश्री गुप्ता, राज सिंह यादव, योगेश पारधी और निखिल वर्मा। 2022. *एगल मार्मेलोस* (बेल) – अत्याधिक औषधीय महत्व वाला एक पेड़। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल बायोडायवर्सिटी। 30 (1 और 2): 31–35।
- फातिमा शिरीन, प्रियदर्शनी छेत्री, हरिओम बरमैया, नीरज यादव, शर्मिष्ठा गंगोपाध्याय, मुकेश कुमार सोनकर और सुषमा मरावी, 2022. सेमी हार्डवुड कटिंग के माध्यम से *मेलाइना आर्बोरिया* के वानस्पतिक प्रसार पर जीनोटाइप और आईबीए एकाग्रता के प्रभाव का मूल्यांकन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल बायोडायवर्सिटी, 30 (1 और 2): 59–66।
- सौदागर, आई. ए, और शिरीन, एफ. (2022)। पौधों और फसलों में अगली पीढ़ी के प्रजनन के लिए अगली पीढ़ी के अनुक्रमण के माध्यम से जीनोटाइपिंग और फेनोटाइपिंग, प्लांट साइंस और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी में हालिया विकास पर फ्रंटियर। विज्ञान प्रकाशन, तमिलनाडु, संपादित पुस्तक, खंड–1, अध्याय 117–125

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

संस्करण-5&6 सितम्बर –दिसम्बर 2022

आनुवांशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, उ.व.अ.सं., जबलपुर में बिक्री हेतु उपलब्ध पौधों का विवरण

उन्नत किस्में– रु. 50/– प्रति पौधे

क्रमांक	प्रजातियां	पौधों की संख्या
1.	*राउवोल्फिया सर्पेन्टाइना* टी.एफ.आर.आई *(सर्पगंधा)*	200
2.	*राउवोल्फिया सर्पेन्टाइना* टी.एफ.आर.आई *(सर्पगंधा)*	150

बांस प्रजाति. रु. 25/– प्रति पौधे

क्रमांक	प्रजातियां	पौधों की संख्या
1.	*बम्बुसा बम्बोस (कटंगा)*	1350
2.	*बंबुसा वल्गारिस (अंत. हरा)*	110
3.	*बंबुसा नूतन*	75
4.	*डेंड्रोकैलामस स्ट्रिक्टस (लाठी बांस)*	940
5.	*डेंड्रोकैलामस लॉन्गिसपैथस*	100

पेड की प्रजातियां और औषधीय पौधे– रु.25/– प्रति पौधे

क्रमांक	प्रजातियां	पौधों की संख्या
1.	*टेक्टोना ग्रैंडिस (सागौन)*	200
2.	*डलबर्जिया लेटीफोलियॉ (काला शीशम, रोजवुड)*	200
3.	*सेलेस्ट्रस पेंनीकुलाट्स (मालकागिनी, ज्योतिषमती)*	100
4.	*प्लबैगो जेलेनिका (चित्रक)*	100
5.	*ओरोक्सिलम इंडिकम (शिवनाग)*	50
6.	*टेमेरिन्डस इंडिका (इमली)*	150
7.	*अजेडेरिक्टा इंडिका (नीम)*	50

अतिथि गृह – सुविधाएं और शुल्क

कमांक	पात्र व्यक्तियों की श्रेणी	शासकीय कार्य के दौरान किराया (रू0)		शासकीय कार्य के उपरांत किराया (रू0)	
		Room	Suit	Room	Suit
1	क. आई. सी. एफ. आर. ई. के अधिकारियो हेतु ख. कन्सल्टेन्टस एवं अनुसंधान अध्येता आई. सी. एफ. आर. ई. एवं उसके संस्थानों सहित तथा डीम्ड यूनिर्वसिटी हेतु ग. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकारियो एवं एक्सपर्ट हेतु घ. राज्य वन विभाग के अधिकारियो हेतु ड. आई. सी. एफ. आर. ई. के भूतपूर्व अधिकारियो एवं भूतपूर्व प्रतिनियुक्ति के अधिकारियों हेतु	150	200	200	200
2	आई. सी. एफ. आर. ई. के परिवारजन वर्तमान / भूतपूर्व – क. आई. सी. एफ. आर. ई. के भूतपूर्व अधिकारियो / कर्मचारियों हेतु ख. आई. सी. एफ. आर. ई. के भूतपूर्व प्रतिनियुक्ति के अधिकारियो / कर्मचारियों हेतु			200	300
3	क. स्वायत्त परिषदो एवं वन अनुसंधान (एफ.आर.आई.) डीम्ड यूनिर्वसिटी के अंतर्गत आने वाले विष्वविघालय के अधिकारियो / कर्मचारियों हेतु ख. केद्र एवं राज्य के अधिकारी/कर्मचारी – राज्य वन विभाग के अलावा	200	300	400	500
4	आई. सी. एफ. आर. ई. संस्थानों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों हेतु शुल्क			800	750

उपर दी गई तालिका के अलावा देय रखरखाव शुल्क (मेन्टेनेंस चार्जेस) इस प्रकार है :–

आवास का प्रकार	रखरखाव शुल्क (मेन्टेनेंस चार्जेस) ए.सी. / हीटर सहित (रू.)
रूम	200
सूट	250

संरक्षक और संपादक

श्रीमती नीलू सिंह
निदेशक–प्रभारी और समूह समन्वयक अनुसंधान, वैज्ञानिक–जी
टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

एसोसिएट एडीटर

डॉ. जंगम दीपिका
वैज्ञानिक–बी, एफ.ई.सी.सी. प्रभाग, टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

श्री अजिन शेखर
वैज्ञानिक–बी, एफ.ई.सी.सी. प्रभाग, टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

श्री राठौर दिग्विजयसिंह उमेदसिंह
वैज्ञानिक–बी, एस.एफ.एम, कृषिवानिकी प्रभाग, *टी.एफ.आर.आई., जबलपुर*

तकनीकी सहायता

श्री एच. एल. असाटी
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी,
समूह समन्वयक अनुसंधान कार्यालय
टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

श्रीमति निकिता राय
वरिष्ठ तकनीषियन,
टी.एफ.आर.आई., जबलपुर

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

समूह समन्वयक (अनुसंधान)
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
पो0 आ0–आर0एफ0आर0सी0,मंडला रोड, जबलपुर–482 021(म0 प्र0)
फोन नं0 :- + 91-761-2840010(O) फेक्स नं0:- + 91-761-2840484
समूह समन्वयक (अनुसंधान) कार्यालय फोन नं0 :- 0761-2840003
Website :- http://tfri.icfre.gov.in , **Email:-** dir_ tfri @icfre.org, groupco_tfri@icfre.org

संस्थान के बारे में

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (मध्य प्रदेश) अप्रैल 1988 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्यों सहित मध्य भारत में वन और वानिकी क्षेत्रों के सतत विकास के लिए मजबूत अनुसंधान सहायता प्रदान करने के लिए अस्तित्व में आया।

यह भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून (उत्तराखंड) के तहत नौ क्षेत्रीय संस्थानों में से एक है।

कौशल विकास के लिए वन अनुसंधान केंद्र, छिंदवाड़ा, 30 मार्च 1995 को अस्तित्व में आया। इसे 3 जनवरी 1996 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का एक उपग्रह केंद्र घोषित किया गया।

मूलतः अनुसंधान क्षेत्र

- ❖ विंध्य, सतपुड़ा और मैकाल पहाड़ियों पश्चिमी घाटों की पारिस्थितिकी–पुर्नस्थापना, खनन क्षेत्रों का पुनर्वास।
- ❖ कृषि वानिकी मॉडल का विकास और प्रदर्शन
- ❖ जैव उर्वरक और जैव कीटनाशक
- ❖ गैर–लकड़ी वन उत्पाद
- ❖ जैव विविधता आकलन, संरक्षण और विकास
- ❖ सतत वन प्रबंधन
- ❖ रोपण स्टॉक में सुधार
- ❖ जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण सुधार
- ❖ वन उत्पाद विकास।